कृषि नवाचार
हिन्दी पत्रिका
https://www.krishinavachar.in
खण्ड 01 भाग 03 जून, 2024

कृषि शिक्षा एक सफल रोजगार का माध्यम

सूरज कुमार जायसवाल
श्री राधे राधे डेयरी, प्रेमनगर (गदरपुर), बाजपुर, उधमसिंह नगर, उत्तराखंड
E-mail: surajjaiswalj17@gmail.com

मेरा परिचय

मेरा नाम सूरज कुमार जायसवाल हैं। मैं सुदूर अंचल के ग्राम प्रेमनगर (गदरपुर), बाजपुर, उधमसिंह नगर, उत्तराखंड का रहने वाला हूँ। हमारे पिता श्री ईश्वर चन्द्र जायसवाल जो एक मजदूर किसान के रुप में अपना जीवन यापन कर रहे थे। हमारे पिताजी ने कठिन परिश्रम के बल पर हमें एक अच्छे मुकाम तक पहुँचाया । पिताजी के दृढ संकल्प एवं कठिन परिश्रम हमारे लिए आदर्श है। पिताजी ने हमें हार न मानने और हमेशा आगे बढ़ने की सीख देकर हमारा हौसला बढाया क्योंकि पिता ही सबसे अच्छे मार्गदर्शक होते है। उन्ही की प्रेरणा से हमने आज जीवन में कई उपलब्धियाँ हासिल की। मेरा भी मानना है कि सकारात्मक सोच और कठिन परिश्रम के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। हम सभी इसी दिशा में कार्यरत है। हमारे जीवन में कई बार असफलता आई परन्तु, हमने हार नहीं मानी और सकारामक सोच व निरन्तर प्रयासों के साथ आगे बढ़ते गये। हमारा मन कहता था कि निरन्तर कोशिश करने वालों की जीत होती है। इसलिए हमने मन की इस बात को दृढ़ता से लिया और आज यह मुकाम हासिल किया।

हमारा एक ध्येय और है कि अपनी वाणी, विचार, व्यवहार से सकारात्मक रहते हुए प्रकृति की वैज्ञानिकता को समझे, पेड-पौधो, व जीव-जन्तुओं पर अध्ययन करें कि किस प्रकार ये कार्य करते है और उसमें हमारा किरदार कहाँ है। हम प्रकृति की इस व्यवस्था में किस प्रकार अपना योगदान दे सकते है, क्योंकि शब्दों में बहुत शक्ति होती है, हमें शब्दों की शक्ति को पहचानना है और इस पर कार्य करना है। शब्दों के द्वारा हम किसी व्यक्ति को आहत या प्रसन्न कर सकते है जैसे किसी को अपशब्द कहे तो वह व्यक्ति आहत हो जाता है, गुस्से से भर जाता है वहीं अगर सकारात्मक शब्द या प्रशंसा की जाये तो वही व्यक्ति प्रसन्न हो जाता है, प्रेम पूर्वक कही गई बात व्यक्ति पर अच्छा प्रभाव डालती है।

हमारा परिवेश प्रकृति एवं पशु-पक्षियों के समीप रहकर उनके भावों को समझना, इन सब चीजों का अध्ययन करना इन्ही सब क्रियाकलापों पर हमारा कार्य चल रहा है। पिताजी के सानिध्य में हमारी शिक्षा-दीक्षा का कार्य संपन्न हुआ, हमने एम.एस.सी. (कृषि)

एवं फूड प्रोसेसिंग डिप्लोमा, डेयरी व्यवसाय प्रशिक्षण (आई.वी. आरआई) बरेली से उपलब्धि प्राप्त की।

उपलब्धियाँ

हम सतत् एवं कठिन परिश्रम के साथ जीवन पथ पर अपने कदमों को बढ़ाते गये, न हम थके न हम रुके। मेरे प्रत्येक दिन की शुरुआत ब्रह्म मुहूर्त की बेला सुबह 4 बजे से होती है। सबसे पहले मैं ईश्वर को धन्यवाद के साथ धरती माँ को प्रणाम करता और पुनः दिनचर्या का शुभारंभ होता है। हमें अपने कठिन परिश्रम के बल पर

किसान श्री पुरस्कार, इनोवेटिव फार्मर, उत्कृष्ट डेयरी फार्मर का पुरस्कार मिला। ईश्वर की असीम कृपा अपनी कठिन परिश्रम एवं परिवार के सहयोग से आज हम इस जगह तक पहुँचे है कि हमारे डेयरी फार्म में बहुत सारी प्रजातियाँ एवं नस्लें उपलब्ध है। हमारे पास पांच नस्ल की गाये है जो इस प्रकार है- गिर, राठी, साहीवाल, एच.एफ. जर्सी इत्यादि तथा भैस की दो प्रजातियाँ- मुर्रा व भदावरी है इसके साथ हम बकरी व मुर्गी पालन भी करते है। आज हम इस उपलब्धि पर पहुँचे है कि हमारी डेयरी फार्म पर गाय और भैंसो से 200 लीटर तक दूध प्रतिदिन उपलब्ध होता है। गाय-भैसों के गोबर से उपले तथा खाद का उत्पादन होता है।

उपलब्धियाँ

हमारा लक्ष्य है कि जनमानस तक खाद्य एवं पेय (दुग्ध) के सम्पूर्ण उत्पाद शुद्ध एवं गुणवत्ता से युक्त पहुँचाना, हमारा उद्देश्य है कि सनातन धर्म की वैज्ञानिकता, गाय की महिमा, गाय से प्राप्त पंच गव्य की विशिष्टता आने वाली पीढी को ज्ञात हो, इस पर हमें कार्य करना है।

● ● ●